श्रीवीतरागाय नमः ।

श्रीमन्मानतुंगाचार्यविरचित

श्रीआदिनाथस्तोत्र

अर्थात्

भक्तामरस्तोत्र ।

मोतीलाल
सौभूवाला.

जिसको

देवरी (सागर) निवासी श्रीनाथूरामप्रेमीने
सरल भाषाटीका और नवीन पद्यानुवाद-
सहित बनाया

और

मुम्बयीस्थ—जैनग्रन्थरत्नाकरकार्यालयके मालिकोने
निर्णयसागरप्रेसमें छपाकर प्रसिद्ध किया ।

श्रीवीर नि० स० २४३८ । मार्च सन् १९१२ ईस्वी ।

तृतीयावृत्तिः] [मूल्य ४ आने ।